मुझे कौन जानता था तेरी बंदगी से पहले

मुझे कौन जानता था तेरी बंदगी से पहले,
में बुद्धा हुआ दिया थाजेरी बंदगी से पहले,

में तो खाख था जरा सी
मेरी और क्या थी इस्ती
में चपेड़े खा रहा था तूफान में जैसे कश्ती
दर दर भटक रहा था तेरी बंदगी से पहले,

में था इस तरह जहां में जैसे खाली सीप होती,
मेरी बड गई है कीमत तूने भर दिए हे मोती,
मेरा कौन आसरा था तेरी बंदगी से पहले,

है जहा में मेरे लाखों पर तेरे जैसा कोन होगा,
जैसा तू बन्दा पत्वर भला एसा कोन होगा,
में तुझे ही ढूड ता हु तारे बंदगी से पहले,

तू जो मेहरबान हुआ है तो जहां भी मेहरबाण है,

ये ज़मीन मेहरबान है आसमान भी मेहरबान है,
ना ये गीत ये बला था तेरी बंदगी से पहले